Shree Govind Guru University

VINZOL, Gujarat.

(Established by Government of Gujarat Vide Gujarat Act No.24/2015)

श्री गोविंद गुरु यूनिवर्सिटी, विंझोल, गोधरा-गुजरात

कला संकाय

हिन्दी पाठ्यक्रम

NEP 2020 CREDIT STRUCTURE FOR
B.A. (U.G) FROM JUNE : 2025

U.G. COURSES IN HINDI NEP- 2020
Semester - V
With effect from the Academic Year : 2025-26
BY
BOARD OF STUDIES – HINDI

Shri Govind Guru University, Vinzol, Godhra

SEMESTAR – V HINDI

Course Type	Course Code	Name of Course	Theory /Practical	Total Credit	Contact Hours Per week	Exam duration in hours	Component of Marks		
							Internal	External	Total
							Total /	Total/	Total/
Discipline Specific Course- **Major-1**	BA23MJ5HN1	आधुनिक हिन्दी गद्य का इतिहास (1950 तक)	Theory	4	4		50%	50%	100%
Discipline Specific Course- **Major-2**	BA23MJ5HN2	हिन्दी भाषा और लिपि	Theory	4	4		50%	50%	100%
Discipline Specific Course- **Major-3**	BA23MJ5HN3	भारतीय काव्यशास्त्र (भारतीय ज्ञान परंपरा)	Theory	4	4		50%	50%	100%
Discipline Specific Course- **Minor – 1**	BA23MN5HN1	हिन्दी का आदिवासी साहित्य उपन्यास: धूणी तपे तीर	Theory	4	4		50%	50%	100%
Discipline Specific Course- **Minor –2**	BA23MN5HN2	हिन्दी महाकाव्य प्रियप्रवास	Theory	4	4		50%	50%	100%
SEC Skill Enhancement	BA023SE503	जन संचार माध्यम लेखन	Theory	2	2		50%	50%	100%

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : V

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR – 1 HINDI (मुख्य हिन्दी)

BA23MJ5HN1

आधुनिक हिन्दी गद्य का इतिहास (1950 तक)

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थी हिन्दी कथा-साहित्य, नाटक एवं एकांकी के उद्भव और विकास की संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करेंगे ।
2. विद्यार्थी हिन्दी निबंध,आलोचना,संस्मरण,रेखाचित्र,आत्मकथा आदि के उद्भव और विकास की जानकारी हासिल करेंगे।
3. विद्यार्थी हिन्दी की महत्वपूर्ण रचनाओं एवं रचनाकारों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

4 .विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी गद्य (1950 तक) के संक्षिप्त इतिहास से परिचित होंगे।

5 छात्र हिन्दी साहित्य के एतिहासिक परिप्रेक्ष्यको समझेंगे।

6 छात्रों को हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा और उसके महत्व को समझाना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास को छात्र एतिहासिक परिप्रेक्ष्य में समझें।
2. छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जानकारी एकत्र करने की क्षमता का विकास होगा
3. साहित्य समाज में प्रचलित सामाजिक व्यवस्थाओं को दर्शाता है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को समाज में प्रचलित सामाजिक व्यवस्थाओं को समझने में सहायता करेगा।
4. समाज के प्रति सही दृष्टिकोण का विकास होगा

यूनिट	पाठ्यक्रम	अंक
1	हिन्दी कहानी : उद्भव एवं विकास हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास हिन्दी एकांकी : उद्भव एवं विकास	20%
2	हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास हिन्दी निबंध : उद्भव एवं विकास हिन्दी आलोचना : उद्भव एवं विकास	20%

3	हिन्दी रेखाचित्र: उद्भव एवं विकास हिन्दी संस्मरण : उद्भव एवं विकास हिन्दी आत्मकथा: उद्भव एवं विकास	20%
4	टिप्पणी के लिए कहानीकार के रूप मे जयशंकर प्रसाद। एकांकीकार के रूप मे उपेन्द्रनाथ अश्क। निर्मला उपन्यास (प्रमचंद) कृति परिचय। अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चंद्र) कृति परिचय चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा) कृति परिचय	20%
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे	20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
2 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
3 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4 हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
5 हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6 आधुनिक हिन्दी उपन्यास, भाग-1-2, सम्पादक, डॉ.नामवर सिंह
7 अद्यतन हिन्दी उपन्यास, डॉ. बिन्दु भट्ट
8 आधुनिक हिन्दी नाटक, डॉ.नगेन्द्र
9 आधुनिक हिन्दी नाटक और नाट्यकार, डॉ.रामकुमार गुप्त
10 हिन्दी एकांकी की शिल्प-विधि का विकास, सिद्धनाथ कुमार
11 हिन्दी साहित्य का इतिहास- सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.

12 हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
13 हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
14 साहित्य में गद्य की नई विधाएँ – कैलाशचंद्र भाटिया
15 रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - डॉ .रामविलास शर्मा
16 eGyankosh
17 http://gadyakosh.org

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : V

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR – 2 HINDI (मुख्य हिन्दी)

BA23MJ5HN2

हिन्दी भाषा और लिपि

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को विश्व-भाषा परिवार और उसमें भारोपीय परिवार के बारे में समझाना।
2. विद्यार्थी भारतीय भाषाओं एवं उसके परिवार के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थी भारतीय आर्य भाषाओं के बारे जानकारी प्राप्त करेंगे।
4. विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी भाषा एवं उसकी उपभाषाओं तथा बोलियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

5.विद्यार्थी देवनागरी लिपि के विकास और उसकी वैज्ञानिकता के बारे में समझेंगे।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र हिन्दी भाषा और भाषा संरचना से परिचित हुए।
2. छात्र हिन्दी भाषा के इतिहास और उसकी संरचना से परिचित हुए।
3. छात्रों मे भाषाओ को समझने का वैज्ञानिक द्रष्टिकोण विकसित हुआ।

यूनिट		पाठ्यक्रम	अंक
1	भाषा की परिभाषा और विशेषताएँ भारोपीय परिवार प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ		20%
2	आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ हिन्दी का नामकरण और विकास: हिन्दी, उर्दू, हिंदुस्तानी		20%
3	खड़ीबोली का उद्भव एवं विकास लिपि की परिभाषा, स्वरूप और विकास देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास		20%
4	**टिप्पणी के लिए** द्रविड़ परिवार।		20%

	हिन्दी शब्द -समूह। देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता। हिन्दी वर्तनी के नियम। भारत- ईरानी।	
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे	20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of theEvaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान हिन्दी भाषा और लिपि – रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा –डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. हिन्दी भाषा उद्भव और विकास – उदयनाराण तिवारी
4. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – सत्यनारायण त्रिपाठी
5. हिन्दी रूप-रचना भाग 1 और 2, आचार्य जयेन्द्र त्रिवेदी
6. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
7. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ . राजमनी शर्मा
8. eGyankosh
9 . http://gadyakosh.org

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : V

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR-3 HINDI (हिन्दी मुख्य)

BA23MJ5HN3

भारतीय काव्यशास्त्र (भारतीय ज्ञान परंपरा)

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को काव्यशास्त्र-साहित्यशास्त्र क्या है ? तथा उसका महत्व समझाना।
2. संस्कृत-हिन्दी काव्यशास्त्र के प्रमुख बिन्दुओं का संक्षिप्त परिचय कराना।
3. विद्यार्थियों को साहित्य में रस का महत्व, उपादेयता तथा उसके अवयवों को समझाना।
4. विद्यार्थियों को अलंकार और छंद से परिचित कराना।
5. विद्यार्थियों को शब्द शक्ति और उसका महत्व ,समझाना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. यह साहित्य अध्ययन में छात्रों को सहायक सिद्ध होगा।
2. छात्र भारतीय आलोचनात्मक चिंतन और सौदर्यशास्त्र को समझे।
3. छात्रों मे विश्लेषणात्मक और संतुलित सोच विकसित होना।
4. इस पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्र भारतीय काव्यशास्त्र की ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे।

यूनिट			
1	1	संस्कृत काव्यशास्त्र की विकास यात्रा भरतमुनि से आनंदवर्धन तक का संक्षिप्त परिचय	20%
	2	काव्य की परिभाषा और स्वरूप (भामह,मम्मट, विश्वनाथ एवं जगन्नाथ की काव्य विषयक परिभाषाएँ	
	3	काव्य -प्रयोजन	
2			
	1	रस की परिभाषा और स्वरूप	20%
	2	रस के अंग	
	3	रस के भेद (शृंगार,वीर,करुण एवं हास्य रस का परिचय)	
3			
	1	अभिधा शब्द शक्ति	20%
	2	लक्षणा शब्द शक्ति	
	3	व्यंजना शब्द शक्ति	
4	**टिप्पणी के लिए**		

	1	अलंकार : श्लेष,उपमा,उत्प्रेक्षा,रूपक,वक्रोक्ति	20%
	2	छंद: दोहा,चौपाई,मन्दाक्रान्ता,कवित्त,हरिगीतिका	
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे		

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

EvaluationPattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्य प्रदीप – रामबहोरी शुक्ल, हिन्दी भवन प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भारतीय काव्यशास्त्र – निशा अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. साहित्यशास्त्र – डॉ. ओमप्रकाश गुप्त, डॉ. गोवर्धन बंजारा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
5. भारतीय आलोचना शास्त्र – डॉ. राजवंश सहाय ‘ हीरा’, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना
6. e-PG Pathshala
7. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India
8. epustakalay.com
9. eGyankosh
10. hindikunj.com

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : V

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MINOR – 1 HINDI

BA23MN5HN1

हिन्दी का आदिवासी साहित्य

पाठ्य पुस्तक : – धूणी तपे तीर, लेखक:हरिराम मीणा, प्रकाशक : साहित्य उपक्रम,जयपुर

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थीयों को आदिवासी साहित्य के अर्थ और इतिहास से परिचित कराना ।
2. विद्यार्थीयों को आदिवासियों के इतिहास,साहित्य, संस्कृति और समाज से परिचित कराना ।
3. विद्यार्थीयों को आदिवासियों की राष्ट्रीय भावनाओ से परिचित कराना।
4. विद्यार्थी उसका विश्लेषण करते हुए प्रासंगिकता समझेंगे ।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र आदिवासियों के इतिहास,साहित्य, संस्कृति और समाज से परिचित हुए ।
2. छात्र आदिवासीयों की राष्ट्रीय भावनाओ से परिचित हुए।
3. छात्र उपन्यास में निहित ऐतिहासिकता, प्रासंगिकता से परिचित हुए।

पाठ्य पुस्तक : – धूणी तपे तीर, लेखक:हरिराम मीणा, प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

यूनिट	पाठ्यक्रम	अंक
1	1.आदिवासी साहित्य :अर्थ,परिभाषा,स्वरूप 2.आदिवासी साहित्य की विशेषताएँ 3. हरिराम मीणा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	20%
2	1. धूणी तपे तीर उपन्यास की कथावस्तु 2. धूणी तपे तीर उपन्यास की तात्विक समीक्षा 3. गोविन्द गुरु का चरित्र	20%
3	टिप्पणी के लिए 1. गोविन्द गुरु की सामाजिक चेतना 2. धूणी तपे तीर शीर्षक की सार्थकता 3. धूणी तपे तीर उपन्यास की ऐतिहासिकता 4.धूणी तपे तीर उपन्यास का उदेश्य 5. धूणी तपे तीर उपन्यास मे आदिवासी संस्कृति	20%

4	धूणी तपे तीर उपन्यास से(दो संदर्भ) ससंदर्भ व्याख्या	20%
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे	20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. आदिवासी कौन – संपादक रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
2. आदिवासी साहित्य यात्रा – संपादक रमणिका गुप्ता,, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यासों मे आदिवासी जीवन – डॉ . ईश्वरसिंह राठवा, माया प्रकाशन
4. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी – संपादक रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
5. https://www.youtube.com
6. eGyankosh

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : V

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MINOR – 1 HINDI

BA23MN5HN2

हिन्दी महाकाव्य

पाठ्य पुस्तक : – प्रिय प्रवास, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थी हरीऔध जी का साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे ।
2. विद्यार्थी महाकाव्य के स्वरूप को समझेंगे ।
3. विद्यार्थी काव्य कला से परिचित होगे ।
4. विद्यार्थी महाकाव्य में निहित राष्ट्रिय मूल्यों को समझेंगे ।
5. विद्यार्थी महाकाव्य का पठन कर, उसका विश्लेषण करते हुए प्रासंगिकता समझेंगे।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र महाकाव्य के स्वरूप और लक्षणों को समझे।
2. छात्रों ने कवि का परिचय प्राप्त किया।
3 . छात्र नाटक में निहित ऐतिहासिकता , प्रासंगिकता से परिचित हुए।
4 . इस पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रों में रचनात्मक कौशल के साथ साथ मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

यूनिट	पाठ्यक्रम	अंक
1	1. महाकाव्य की परिभाषा और लक्षण 2. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरीऔध का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 3. प्रिय प्रवास की कथावस्तु	20%
2	1.महाकाव्य के लक्षणो के आधार पर प्रिय प्रवास की समीक्षा 2. राधा का चरित्र 3. कृष्ण का चरित्र	20%

3	टिप्पणी के लिए: 1. प्रिय प्रवास की आधार-भूमि 2. प्रिय प्रवास शीर्षक की सार्थकता 3. प्रिय प्रवास का उदेश्य 4. प्रिय प्रवास की भाषा शैली 5. प्रियप्रवास में यशोदा	20%
4	ससंदर्भ व्याख्या प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय सर्ग से संदर्भ पूछे जायेंगे	20%
5	उपरोक्त एकमों से से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे	20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. मिथक और साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
2. काव्य मिथक – डॉ. पुष्पपाल सिंह
3. आधुनिक प्रबंध काव्य-संवेदना के धरातल – डॉ.विनोद गोदरे
4. पुराख्यान और कविता – डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा
5. पौराणिक काव्यः आधुनिक संदर्भ – डॉ. गो.रा. कुलकर्णी
6. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ . द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. Kavita kosh
8. eGyankosh
9. Hindisamay.com
10. Hindikunj.com

Shri Govind Guru University ,Vinzol

Semester: V

SKILL ENHANCEMENT COURSE (हिन्दी)

BA023SE55

03

जनसंचार माध्यम लेखन

Credit: 2

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. छात्रों को जनसंचार के अर्थ और स्वरूप से परिचित कराना।
2. जनसंचार माध्यम के महत्व से छात्रों को परिचित कराना।
3. छात्रों को जनसंचार के प्रकारों से परिचित कराना।
4. छात्रों को जनसंचार के कार्यों एव उद्देश्य से अवगत कराना।
5. छात्रों मे संचार कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र जनसंचार के अर्थ और स्वरूप से परिचित हुए।
2. छात्र जनसंचार की उपयोगिता एवं महत्व को समझे।
3. छात्रों में जनसंचार कौशल विकसित हुआ।
4. छात्र जनसंचार के प्रकारों से अवगत हुए।
5. छात्र जनसंचार के कार्यों एवं उद्देश्य से परिचित हुए ।
6. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों को विभिन्न संचार माध्यमों में रोजगार की संभावनाए बढ़ेगी और व्यवहारिक जीवन के विविध क्षेत्रो मे संचार माध्यमों का ज्ञान उपयोगी रहेगा ।

यूनिट	पाठ्यक्रम	
1	प्रिंट मीडिया लेखन	
	अखबार: महत्व और उदेश्य साक्षात्कार लेखन	
2	दृश्य-श्रव्य माध्यम	
	फिल्म: पटकथा लेखन टेलीविज़न : धारावाहिक लेखन	
	इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन	

3	फेसबुक, वाट्सएप, ई-मेल, ब्लोगिंग	

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching power point presentation e-learning,use of library resources seminar,workshop,symposium quiz,students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ . विनोद गोदरे , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप -कैलाश चन्द्र भाटिया तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंग पब्लिकेशन

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.नरेश मिश्र, डॉ.सुरेश सिंहल – अभिनव प्रकाशन दिल्ली

5. मीडिया लेखन – डॉ ० चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन , दिल्ली।

6 संचार और संचार माध्यम – डॉ ० चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन , दिल्ली।

7 संचार से जनसंचार और जनसम्पर्क तक – बलवीर कुंदरा , के ० के पब्लिकेशन

8 आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली।

9 जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी , जयभारती प्रकाशन।

10 जन पत्रकारिता , जनसंचार और जनसंपर्क – प्रो ० सूर्यप्रकाश दीक्षित , संजय प्रकाशन ,।

11 . eGyanKosh

12 e pathshala

Shri Govind Guru University,Vinzol

Semester : IV

VALUE ADDED COURSE (हिन्दी)

BA023VA403

हिन्दी कहानी में जीवन मूल्य

Credit: 2

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course Objectives) :

1. छात्रों को मूल्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचित करवाना।
2. छात्रों को मूल्य शिक्षा के महत्व को समझाना।
3. छात्रों में मानवीय मूल्य विकसित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र मूल्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचित हुए ।
2. छात्र मूल्य शिक्षा के महत्व को समझे ।
3. छात्रों में मानवीय मूल्य विकसित होंगे ।

यूनिट		
1		मूल्य की अवधारणा और स्वरूप मूल्य शिक्षा की आवश्यकता और महत्व
		कहानियों का मूल्य आधारित विवेचन करना
2	प्रेमचंद सुदर्शन	नमक का दारोगा हार की जीत
3	मोहन राकेश उषा प्रियंवदा	मलबे का मालिक वापसी

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching power point presentation e-learning, use of library esources seminar,workshop,symposium quiz, students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern

Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %

2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1 . मानव मूल्य और साहित्य – धर्मवीर भारती

2 . साहित्य और मानव – मूल्य – डॉ. पशुपतिनाथ उपाध्याय

3. मानव मूल्य और हिन्दी साहित्य – संपादक – प्रो. पूरनचंद टंडन

4 . Pustak.org

5 .कहानीःनयी कहानी – नामवर सिंह

6. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

7. नयी कहानी-संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

8. हिन्दी कहानी का विकास – डॉ. देवेश ठाकुर

9. हिन्दी कहानीः अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

10. प्रेमचन्द और उनका युग - रामविलास शर्मा

11. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद प्रकाश

12. हिन्दी कहानी :प्रक्रिया और पाठ – सुरेश चौधरी

13 e-PG Pathshala

14 ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of In

15 epustakalay.com

16 eGyankosh

17 hindikunj.com

18 e – Adhyayan

19 e Gadyakosh